ज़रा सोचें...

अपनी महानता से व्यवहार करें, दूसरों को देखकर नहीं

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

हमारी पढ़ाई का पहला पाठ - स्व का दर्शन

मेरा अपना और आप सबका भी ये अनुभव तो होगा कि ज्ञान में आते ही बाबा के ज्ञान से 50 प्रतिशत बातें तो खत्म हो गईं। है ना सबका अनुभव! अब पहले जैसी अवस्था तो नहीं बिगड़ती है ना! पहले अवस्था बिगड़ती थी तो रजाई ओढ़कर सो जाते थे। मूड ऑफ हो गया। अब तो शक्तिशाली बनते जा रहे हैं ना! अब स्थिति नहीं बिगाड़नी है। हम ज्ञान का स्वरूप बनें। बाबा की याद से हमें इतना सुख मिलता है, आनंद मिलता है कि फिर हमें और छोटी-मोटी, तेरी-मेरी, मैं-तू, मान-शान की कोई इच्छा ही नहीं रहती। क्योंकि बाबा की याद से ही कितना सुख मिलता है। लेकिन ब्राह्मण बनने के बाद भी तो कितनी बातें आती हैं! अगर हम सावधान न रहें तो हमारे में भी तो कितनी बातें आ जाती हैं। पहले दुनियावी पोस्ट, पोजीशन, धन, रूप, बुद्धि का अभिमान होता था। अब वो नहीं है। पर अब किसी को ज्ञान का अभिमान है, मैं ही अच्छी तरह समझाता हूँ, किसी को योग का अभिमान होता है, किसी को सेवा का अभिमान होता है, सहयोग का अभिमान होता है। पर योगी बनना माना इस दुनिया से न्यारा और बाबा का प्यारा। तो हमें फीलिंग नहीं आयेगी। चलो किसी ने मान नहीं दिया, सेवा का चांस नहीं दिया, फीलिंग नहीं आयेगी। क्योंकि हम अपने स्वमान में हैं, ऊँचे हैं, खुद भगवान हमें इतना प्यार कर रहा है। तो जितने हम योगी बनेंगे, हमारा संगठन कितना भी बड़ा बन जाये, बड़ा संगठन है तो बड़ी बातें हैं। घर में चार रहेंगे तो कम बातें आयेंगी, अब इतना बड़ा परिवार है तो सोचो दादियों के सामने कितनी बातें आती होंगी! पर जब एक बार स्वीकार कर लिया कि बाबा के बच्चे हैं, हमें मिलकर सेवा करनी है, हमें मिलकर पुरुषार्थ करना है, तो ये छोटी-मोटी संस्कार-स्वभाव की बातें असर नहीं करती हैं। मुझे हलचल का कारण नहीं बनना है, ये पक्का कर लो। मेरे कारण यज्ञ में कोई विघ्न नहीं आना चाहिए। हमें यज्ञ का रक्षक बनना है। यज्ञ को विभाजित नहीं करना है। भगवान ने परिवार बनाया है, हमें तोड़ने के लिए निमित्त नहीं बनना है। यज्ञ शांति के लिए है, यज्ञ पवित्रता के लिए है, यज्ञ विश्व कल्याण के लिए है। यज्ञ माना क्या, ये मकान थोड़े ही, यज्ञ माना हम सभी। हम जीवंत यज्ञ हैं। हमें बाबा के यज्ञ को अखंड, अमर रखना है। जो हम सहयोग कर सकते हैं, हम करें। खुशी से करें, निर्संकल्प होकर करें। बाबा ने कहा है, जो बच्चे समय पर... कौन-सा समय? जब भगवान को हमारे साथ की आवश्यकता है, संगम का समय। इस समय पर भगवान को एक धक से, निर्संकल्प होकर, जो बाबा के मददगार बनते हैं, उनको बाबा अंत तक मदद देने के लिए बंधा हुआ है, और ये सत्य है। इसलिए कितना भी बड़ा संगठन हो, कितने भी वैरायटी, नंबरवार भाई-बहनें हैं, लेकिन एक अटेंशन अगर आपको अपनी स्थिति पर है तो दूसरों के लिए चिंतन नहीं चलेगा। ये ऐसा है, वैसा है, कैसा है, टेढ़ा है, बांका है, जो भी है, जब हम ये सोचते हैं, उस समय हम भूल जाते हैं कि मैं भी कैसी हूँ या कैसा हूँ! मैं भी तो परफेक्ट नहीं हूँ। मेरे में भी तो कमियां हैं। तो जब दूसरों के लिए ऐसा सोचते हैं, मतलब खुद पर अटेंशन नहीं है।

जब बाबा की याद में बैठो तो चारों ओर से न्यारे हो जाओ। बुद्धि से ऊपर उठ जाओ। बाबा के सामने शांति से बैठ जाओ। तो आप आनंद स्वरूप होकर वापस आयेंगे। आत्मा फ्रेश हो जाती है।

हमारी पढ़ाई का पहला पाठ कौन-सा है? खुद पर ध्यान दो, 'स्व' दर्शन करो। पहला पाठ ही बाबा ने ये सिखाया। इसलिए रोज़ अच्छी तरह मुरली की स्टडी करो। बहुत अच्छी तरह बाबा की याद में बैठो। योग में बैठना माना चारों ओर से बुद्धि सिमट जाये। बाबा ने कहा ना, एकरस। कई कहते हैं ना, योग में दो मिनट ऊपर जाते हैं, फिर हम नीचे आ जाते हैं। घड़ी-घड़ी बुद्धि इधर-उधर जाती है। क्योंकि हम डिटैच नहीं हुए, न्यारे नहीं हुए। जब बाबा की याद में बैठो तो चारों ओर से न्यारे हो जाओ। बुद्धि से ऊपर उठ जाओ। बाबा के सामने शांति से बैठ जाओ। तो आप आनंद स्वरूप होकर वापस आयेंगे। आत्मा फ्रेश हो जाती है। पर बाबा के सामने भी शांति से नहीं बैठ पाते हैं क्योंकि दुनिया भर की पंचायत बुद्धि में भरी हुई है। इसलिए अपने को डिटैच नहीं कर पाते। ऊपर गये ही नहीं बाबा के पास, बुद्धि के विमान से यहाँ ही घूमते रहते हैं। इसलिए लाल लाइट से सफेद लाइट होते ही हिलने लगते हैं इधर-उधर। क्योंकि बाबा के सामने प्यार से बैठे ही नहीं। तो जितना ज्ञान-योग क्वालिटी करेंगे, कोई हलचल नहीं आयेगी। फिर वो लौकिक वाले हों, अलौकिक वाले हों, नौकरी धंधे की बातें हों या शरीर की बातें हों, कोई नहीं हिलायेगा।

मुम्बई-घाटकोपर। 87वीं शिव जयंती के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के योग भवन सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित मेगा 'शिवरात्रि कार्निवल रैली' में राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. नलिनी दीदी,निदेशिका,राजयोग सेवाकेन्द्र,घाटकोपर सबज़ोन, ब्र.कु. निकुंज भाई,प्रसिद्ध स्तंभकार एवं ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक, राजयोगिनी ब्र.कु. शकु दीदी,अति.निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़ मुम्बई घाटकोपर सबज़ोन, ब्र.कु. विष्णु बहन,वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, स्कूल-कॉलेज के बच्चे, युवा, विभिन्न सामाजिक समूहों के भाई-बहनों सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

बारडोली-रामनगर(गुज.)। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए किरण भाई,कांग्रेस कार्यकर्ता, कमलेश भाई,नगरपालिका उप प्रमुख, ब्र.कु. अरुणा बहन,बारडोली, तरुण भाई,समाज सेवक, प्रतीक भाई,मामलतदार तथा नंदलाल भाई,पीआई।

फ्लोरिडा-यू.एस.ए.। कोरोना महामारी के कारण तीन वर्षों के लम्बे अंतराल के पश्चात् हॉलीवुड लाइब्रेरी में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मेडिटेशन सेशन रखा गया जिसमें ब्र.कु. गंगा, ब्र.कु. मेरेडिथ, ब्र.कु. शीला, ब्र.कु. कैथरीन एवं ब्र.कु. एड्रा समेत 20 भाई-बहनें शामिल रहे।

बिलासपुर-राज किशोर नगर(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव अनुराग भवन सेवाकेन्द्र में महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में आलोक कुमार जैन,महाप्रबंधक,द.पू.म.रेलवे, उनकी धर्मपत्नी मनिता जैन, एड प्रयास के ओनर विनोद पाण्डेय, समाजसेवी ममता पाण्डेय, नगर विधायक शैलेष पाण्डेय, क्रेडाई के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, ब्र.कु. मंजू दीदी सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

मुम्बई-मालाड(जनकल्याण नगर)। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित 'द्वादश ज्योतिर्लिंग झाँकी' के उद्घाटन समारोह में अर्चना वाडे,समाजसेवी,बीजेपी, सीमा सक्सेना,को-फाउण्डर एंड डायरेक्टर,सप्तक म्युज़िक इंस्टीट्यूट, विवेक सक्सेना,कैप्टन,मर्चेंट नेवी, अनिल नौटियाल,मैनेजिंग पार्टनर,लकी रियल एस्टेट,मालाड वेस्ट, शिवानी नौटियाल,मैनेजिंग पार्टनर,लकी रियल एस्टेट,मालाड वेस्ट, यजुवेन्द्र सिंह,टीवी एंड फिल्म एक्टर, ब्र.कु. कुन्ती दीदी,संचालिका मालाड, ब्र.कु. मीना बहन,मालाड जनकल्याण नगर संचालिका, ब्र.कु. स्वाति बहन, ब्र.कु. पुनीत तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

इंदौर-प्रिकांको कॉलोनी(म.प्र.)। साईं मंदिर सेवा समिति की ओर से समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने हेतु ब्र.कु. शैल दीदी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

जबलपुर-नेपियर टाउन(म.प्र.)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विशाल शिव संदेश शांति यात्रा का आयोजन किया गया जिसका विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में भाई-बहनें शामिल हुए।

गाडरवारा-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार भवन द्वारा 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए विशाल सिंह ठाकुर,उत्तम विश्वकर्मा, रफीक भाई जान, संस्थान की नरसिंहपुर जिला संचालिका ब्र.कु. कुसुम दीदी, करेली सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.सरोज दीदी, डोभी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जानकी दीदी तथा अन्य।